प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)
विश्वविद्यालय के कुलपति ने पूर्ण किये अपने गरिमामयी दो वर्ष

पन्तनगर। 28 अगस्त 2024। देश के प्रथम कृषि विश्वविद्यालय के 28वें कुलपति के रूप में डा. मनमोहन सिंह चौहान दिनांक 29 अगस्त 2022 को योगदान दिये और वे आज अपने दो गरिमामयी वर्ष पूरे कर लिए। निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल ने बताया कि कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय में योगदान देने के तुरंत बाद लगभग 2 वर्षों से लम्बित एक्रीडेशन का कार्य, लगभग 7 वर्षों के बाद शोध सलाहकार समिति एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठकें करायी गयी और लगभग 5 वर्षों से लम्बित कुल 109 संकाय सदस्यों को प्रोन्नति दी गयी। उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय को एक्रिडीटेशन में 'ए' ग्रेड, एन.आई.आर.एफ. रैकिंग तथा वर्ल्ड क्यू.एस. रैकिंग में सम्मानजनक स्थान प्राप्त हुआ है। कुलपति को उनके उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा 'एकेडमिक लीडरशिप अवार्ड 2023' प्रदान किया गया।

दो वर्ष से अपेक्षित दीक्षांत समारोह का आयोजन कराया गया। 34वां दीक्षांत समारोह माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड ले. जनरल गुरमीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ और श्री अजीत डोभाल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को विज्ञान वारिधि की उपाधि से सम्मानित करते हुए 2503 छात्र–छात्राओं को उपाधि तथा मेरिट के अनुसार विद्यार्थियों को पदक प्रदान किये गये। इसी क्रम में 7 नवम्बर 2023 को 35वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में देश की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आर्शीवाद प्रदान किया। दीक्षान्त समारोह में 1041 विद्यार्थियों को उपाधि एवं दीक्षा प्रदान की गयी। जीर्ण–शीर्ण हो रहे विश्वविद्यालय के दो मुख्य द्वारों के जीर्णोद्धार, लगभग एक दशक से टूटी हुई मुख्य मार्ग (फूलबाग से नगला तक) का नवीनीकरण तथा गांधी भवन छात्रावास से टैगोर भवन छात्रावास तक सड़क का नवीनीकरण एवं चौड़ीकरण, जनरल विपिन सिंह रावत पर्वतीय विकास शोध शिक्षणालय, जनरल विपिन रावत छात्रावास, गौरा देवी प्रशिक्षण केन्द्र, वाईएल नैने वृक्षायुर्वेद शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र एवं महिला विद्यार्थियों के लिए एक नई व्यायामशाला का लोकार्पण किया गया।

विश्वविद्यालय की छवि में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए और कृषकों तक नई किस्में और नवीनतम तकनीकों को पहुंचाये जाने के लिए कुलपति ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से 3–पी (प्रोडक्ट, पेटेन्ट एवं पब्लिकेशन) की अवधारणा पर गम्भीरता से योगदान करने का आह्वान किया। हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा देश के लिए कुल 109 फसल प्रजातियां लोकार्पित की गयी जिसमें 4 प्रजातियां पंतनगर विश्वविद्यालय की है जोकि एक गौरव की बात है। इसी अवधि में दलहन (खरीफ), मक्का, ज्वार एवं मशरूम को भारतीय कृषि अनुसंधान के फसल विशिष्ट संस्थानों द्वारा सर्वोत्तम शोध केन्द्र सम्मान से पुरस्कृत किया गया तथा विभिन्न वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट कार्य लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से सम्मानित किया गया। इस अवधि में विभिन्न फसलों की लगभग 20 प्रजातियां राज्य/केन्द्रीय विमोचन समिति द्वारा विमोचित की गयी। इस दो वर्ष के कार्यकाल में कुल 9 नए पेटेन्ट फाइल हुए और 6 पेटेन्ट ग्रांट हुए। आईडीपी–नाहेप परियोजना को देश में संचालित सभी कृषि विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

शिक्षा एवं शोध को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ करार किया गया जिसमें से वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया; समर्थ उद्योग टेक्नोलॉजी फोरम (इंडस्ट्री 4.0), पुणे; उत्तराखण्ड निर्माण विभाग; ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैण्डर्ड आदि प्रमुख हैं। इसी के अंर्तगत सुश्री मीनल सिंह, मृदा विज्ञान विभाग की शोध छात्रा को वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा पी.एचडी. उपाधि के लिए डबल डिग्री प्रोग्राम में चयन हुआ है। राष्ट्रीय परीक्षण और अंश शोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.), भारत सरकार से विश्वविद्यालय की रसायन अवशेष प्रयोगशाला प्रदेश में एन.ए.बी.एल. प्रमाण–पत्र पाने वाली प्रथम प्रयोगशाला है। विश्वविद्यालय के एल्यूमिनाई एसोसिएशन (4ए) द्वारा विद्यार्थियों के हित में कई स्कालरशिप एवं अवार्ड गठित किये गये और भारतीय स्टेट बैंक, पंतनगर से सीएसआर के अंतर्गत विश्वविद्यालय के लिए एक एम्बुलेंस भी ली गयी।

भारत सरकार की प्रतिष्ठित जी–20 कार्यक्रम में कुलपति द्वारा प्रतिभाग किया गया और 'वन हेल्थ कॉन्सेप्ट' पर विचार व्यक्त किया गया। आईडीपी–नाहेप के अंतर्गत संकाय विनिमय कार्यक्रम में विभिन्न वैज्ञानिकों ने अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का भ्रमण किया। डेफिया कार्यक्रम के अन्तर्गत 19 फ्रांसीसी विद्यार्थियों का दल एक माह हेतु विश्वविद्यालय परिसर एवं महाविद्यालयों का शैक्षणिक भ्रमण कर अपना ज्ञानोपार्जन किया। विश्वविद्यालय में खेल–कूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उनके द्वारा प्रोत्साहित किया गया। उनके दिशा–निर्देशन में विश्वविद्यालय में वर्ष में दो बार अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें विभिन्न प्रदेशों से अत्यधिक संख्या में किसान लाभान्वित हुए। किसानों के लाभार्थ विभिन्न तकनीकी विषयों पर लगातार प्रशिक्षण आयोजित किये गये। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को 9वें राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो अवार्ड (तृतीय) से सम्मानित किया गया। पर्यावरण संरक्षण के लिए विश्वविद्यालय में सर्वप्रथम लोक पर्व हरेला को प्रारम्भ किया गया और हरेला पार्क की स्थापना की गयी तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न ईकाईयों द्वारा वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवधि में विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी, प्रशिक्षण, कार्यशाला एवं सम्मेलन आयोजित किये गये। विश्वविद्यालय की दृश्यता को बढ़ाने के लिए संचार निदेशालय से विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों को प्रिंट मीडिया, यू–ट्यूब चैनल (पंतनगर टीवी), पंतनगर जनवाणी एवं ट्वीटर के माध्यम से प्रसारित किया गया।

कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान।

निदेशक संचार